एक शिक्षक नहीं सिखाना चाहता था

प्रार्थना: "प्रिय प्रभु, कृपा कर सहायता कर कि बच्चे परमेश्वर के समस्त देशों के लोगों के लिये प्रेम को समझा सकें और कि वह क्यों कार्यकताओं को बदलने मे उनकी सहायता के लिये भेजता है"।

कोई भी बच्चों की सीखने वाली गतिविधि को चुन लें जो उनकी आवश्यकता और आयु के अनुसार सही बैठती है।

बड़े बच्चे या शिक्षक को योना अध्याय 1, अध्याय 2 पढे 1 और 10 अध्याय 3 पढ़ने दें या याद से योना की कहानी बताने दें।

वर्णन करें कि परमेश्वर ने एक शिक्षक योना को दूसरे देश में भेजा कि बुरे लोगों को बदलने के लिये आश्वस्त करे। भले ही शिक्षक ने उन लोगों से न प्रेम किया।

ये प्रश्न पूछें *(उत्तर हर प्रश्न के पीछे दिये हुए हैं)*

- परमेश्वर ने क्यों तूफान भेजा? *(देखें योना 1:3-4)*
- योना ने मल्लाहों को तूफान के विषय क्या बताया? *(योना 1:12)*

- जब मल्लाहों ने योना को समद्र में फेंका तो वह क्यों नहीं डूबा? *(योना 1:17)*
- जब नीनवे के राजा ने योना का सन्देश सुना तब उसने क्या किया? *(योना 3:6-8 उसने पश्चत्ताप किया और लोगों से पश्चत्ताप करने को कहा)*

बतायें कि पश्चत्ताप का मतलब पाप से दूर भागना और परमेश्वर की आज्ञा पालन करना है। उसका पवित्र आत्मा ऐसा करने में हमारी सहायता करता है।

- जब नीनवे के लोगों ने पश्चत्ताप किया तो परमेश्वर ने क्या किया? *(योना 3:10)*

योना की कहानी को नाटक का रूप दो। आराधना के अगुवे के साथ प्रबन्ध करो कि बच्चे इस नाटक को प्रस्तुत करें। अपने सिखाने के समय को बच्चों के साथ नाटक तैयार करने में उनकी सहायता करें। बड़े बच्चे छोटों की सहायता करें।

- यदि सब भाग के लिये कभी बच्चे नहीं है, तो प्रवक्ता पढ़कर बता सकता है कि किसकी भूमिका कौन सी है।
- बड़े बच्चे या बड़े लोग परमेश्वर की आवाज योना और प्रवक्ता की भूमिका करें।
- छोटे बच्चे मल्लाहों, व्हेल मछली और नीनवे का राजा की भूमिका करें।

प्रवक्ता: योना 1 से कहानी का प्रथम भाग बताता है। तब कहता है, "सुनो परमेश्वर क्या कहता हैं"।

परमेश्वर की आवाज़: "योना जाओ नीनवे के लोगों को कहो कि वे बुराई करना बन्द कर दें"

योना: "मैं इन लोगों से घृणा करता हूँ, मैं जहाज पर चढ़कर दूसरे स्थान चला जाऊँगा"

मल्लाह: भूल जाओ मानो आप जहाज पर हो। इस प्रकार चिल्लाते हैं "ये बुरा तूफान है"

"हवा जहाज को डुबो रही है"

"लहरें हमें नीचे कर देंगी"!

योना: ऐसा बताता है मानो नींद से जाग गया। पुकारता है, "परमेश्वर मुझ से नाराज है, मुझे समुद्र में फेंक दो, तब आंधी तूफान शान्त हो जायेगा"।

व्हेल: योना के ऊपर तैरने का नाटक करती है। कहती है, "ये अजीब दिखने वाली मछली है, पर मैं तो भूखी हूँ तो मैं उसे खा जाऊंगी" (निगलने का नाटक करती है)

कहती है, "ओह पेट में कैसा दर्द है, मुझे इसे उल्टी कर बाहर निकालना होगा!"

प्रवक्ता: (योना 2:1-10 और अध्याय 3) से कहानी का दूसरा भाग बताता है। तब कहता है, "सुनो परमेश्वर क्या कहता है"।

परमेश्वर की आवाज: चिल्लाता है, "योना नीनवे को जा!"

योना: लड़खड़ाते हुए चलता और नीनवे के लोगों के पास गुस्से से चिल्लाता है, "पश्चत्ताप करो नहीं तो परमेश्वर तुम्हारे शहर को नाश करेगा!"

राजा: कपड़े फाड़ने का नाटक करता है और धरती पर बैठकर कहता है, "हम सब पश्चत्ताप करते हैं!"

परमेश्वर की आवाज़: "मुझे प्रसन्नता है कि तू ने पश्चत्ताप किया, मैं तुम से प्रेम करता हूँ, मैं तुम्हें नष्ट नहीं करना चाहता"।

प्रवक्ता या बड़ा बच्चा: हर एक को धन्यवाद जिन्होंने नाटक में सहायता की।

प्रश्न: यदि बच्चे इस कहानी को नाटक का रूप बड़ों के लिये करें तो उन्हें बड़ों से प्रश्न पूछने दें जो ऊपर सूचि में दिये गये हैं।

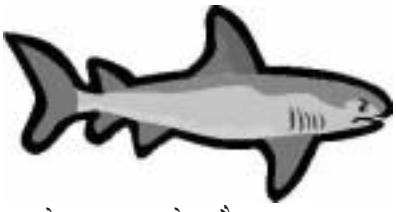

बच्चों को एक बड़ी मछली की तस्वीर बनाने दें। आराधना के बीच में उन्हें बड़ों को तस्वीर दिखाने दें और बतायें कि ये प्रगट करता है कि कैसे परमेश्वर दूसरे देश के लोगों से प्रेम करता है भले ही हम ना करें। वह हमें उनसे बात करने और पश्चताप करने और यीशु पर विश्वास करने कहने को भेजता है।

Sea Weed

बच्चों से कहें कि वे बुरे लोगों का दूसरा उदाहरण दें, जिन्होंने पश्चत्ताप किया और परमेश्वर की ओर फिर गये। शायद जब कोई विशेषज्ञ शिक्षक वहां पश्चत्ताप के विषय बताने को नहीं था।

यहेजकेल 14:6 कंठस्थ करो: "इस्राएल के घराने से कह, यहोवा की वाक्य ये है, पश्चत्ताप करो और अपनी मूरतों को पीठ के पीछे करो; और अपने सब घृणित कामों से मुंह मोड़ो"।

कविता: हर चार बच्चे योना 2:2,3,5 और 6 इनमें से एक आयत को बोले।

मैंने संकट में पड़े हुए यहोवा की दोहाई दी, और उसने मेरी सुन ली है;

अधोलोक के उदर में से मैं चिल्ला उठा,
और तूने मेरी सुन ली।

तूने मुझे गहरे सागर में समुद्र की थाह तक डाल किया,
और मैं धाराओं के बीच पड़ा था तेरी भड़काई हुई
सब तरंग और लहरें मेरे ऊपर से बह गई।

मैं जल से यहां तक घिरा हुआ था कि मेरे प्राणा निकले जाते थे;
गहरा सागर मेरे चारों ओर था और मेरे सिर में सिवार लिपटा हुआ था।

मैं पहाड़ों की जड़ तक पहुंच गया था; मैं सदा के लिये भूमि में बन्द हो गया था; तो भी हे मेरे परमेश्वर यहोवा, तूने मेरे प्राणों को गठे में से उठाया है।

बड़े बच्चों को पश्चताप और परमेश्वर की क्षमा पाने के विषय गीत या कविता लिखने दें।

प्रार्थना: "प्रभु आप पृथ्वी के सब लोगों से प्रेम करते हैं, भले ही जो हमसे घृणा करते हैं। हम उनके लिये प्रार्थना करते हैं कि आप उन्हें बताने के लिये सन्देश वाहक भेजेंगें कि यीशु के विषय समाचार दे। जो लोग हम से भिन्न हैं उनसे प्रेम करने में सहायता करे और कि आपका सन्देश उन तक ले जायें"।

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net